

**संवाददाता** पुं. (तत्.) 1. खबर या संवाद देने वाला 2. समाचार पत्रों में छपने के लिए स्थानीय घटनाओं का विवरण लिखकर भेजने वाला 3. समाचार पत्रों/टी.वी./ रेडियों में स्थानीय अथवा देश-विदेश के समाचार प्रकाशन, प्रसारण के लिए भेजने हेतु नियुक्त व्यक्ति (reporter/ correspondent)

**संवादिका** स्त्री. (तत्.) 1. कीट, कीड़ा, चींटी 2. वाद्य बजाने वाली स्त्री।

**संवादित** वि. (तत्.) 1. बातचीत में लगाया या प्रवृत्त किया हुआ 2. प्रसन्न करके मनाया गया या राजी किया गया।

**संवादित** स्त्री. (तत्.) संवादी होने की अवस्था, गुण या भाव।

**संवार** पुं. (तत्.) 1. आवरण डालकर कोई चीज ढकना या छिपाना, रक्षण 2. शब्दों के उच्चारण के समय कंठ के भीतरी भाग का थोड़ा सिकुड़ना या दबना 3. उच्चारण के बाह्य प्रयत्नों में से एक जिसमें कंठ का आकुंचन होता है 4. बाधा, रुकावट 5. सुव्यवस्था।

**संवारक** वि. (तत्.) 1. रोकने, निवारण करने वाला 2. मनाही करने वाला 3. छिपाने, गोपन करने वाला।

**संवारण** वि. (तत्.) 1. हटाना, दूर करना, निवारण करना, रोकना, आने से रोकना 2. निषेध, मनाही 3. छिपाना, ढंकना।

**संवारणीय** वि. (तत्.) 1. संवारण के योग्य, निवारण के योग्य 2. जिसका संवारण होने वाला हो।

**संवारना** क्रि. (देश.) 1. किसी चीज को ऐसा बनाना कि वह सुंदर जान पड़े 2. ठीक, दुरुस्त करके काम में आने योग्य बनाना 3. अलंकृत करना, सजाना, रूप निखारना 4. क्रम में लगाना 5. कोई कार्य सुचारु रूप से संपन्न करना।

**संवार्तिका** स्त्री. (तत्.) 1. लपेटी हुई वस्तु 2. बत्ती, वर्तिका 3. ऐसा बंधा हुआ पत्ता जो अभी खुलने को हो 4. खेत जोतने का हल 5. कमल

का नया पत्ता 6. पराग कोष के पास वाली पंखुड़ी 7. दीप-शिखा।

**संवार्थ** वि. (तत्.) 1. संवारण के योग्य, निराकरण, निवारण के योग्य 2. मना करने, निषेध करने योग्य 3. छिपाने, ढंकने योग्य, गोपनीय।

**संवास** पुं. (तत्.) 1. साथ रहना या बसना 2. पारस्परिक संबंध 3. मैथुन, संभोग 4. सभा, समाज 5. आम जनता के लिए निर्धारित खुला स्थान 6. गृह, घर, मकान।

**संवाहक** वि. (तत्.) 1. वहन करे, ढोने योग्य 2. संवाहन का अधिकारी या पात्र।

**संवाहकता** स्त्री. (तत्.) 1. संवाहक होने की अवस्था, गुण, धर्म या भाव 2. विज्ञान में किसी पदार्थ का वह गुण, धर्म जिसके कारण ताप, शीत, विद्युत आदि उसके एक हिस्से से आगे के शेष हिस्सों में पहुँचते हैं या इनका आगे चालन, प्रसार करते हैं चालनता।

**संवाहन** पुं. (तत्.) 1. किसी वस्तु को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने की क्रिया या भाव, वहन करना 2. ताप, विद्युत, वाष्प आदि 3. चलाना, परिचालित करना 4. अंगमर्दन, मालिश करना, पैर दबाना।

**संवाहित** वि. (तत्.) जिसका संवाहन हुआ हो या किया गया है।

**संवाही** वि. (तत्.) 1. संवाहक, ढोने वाला, एक स्थान से दूसरे स्थान को ले जाने वाला 2. हाथ पैर दबाने वाला सेवक।

**संविग्न** वि. (तत्.) उद्विग्न, घबराया हुआ, डरा हुआ, भीत, भयभीत।

**संविज्ञ** वि. (तत्.) ज्ञाता, सुविज्ञ, अच्छा जानकार, विद्वान।

**संविज्ञान** पुं. (तत्.) 1. सम्यक ज्ञान, पूरी जानकारी, बोध, पूर्ण और सत्यवान 2. स्वीकृति, मंजूरी, सहमति।

**संवितरण** वि. (तत्.) कार्यालयों आदि में होने वाले व्ययों की राशिकाभुगतान, अदायगी disbursement